Vol. II, Issue I

June' 2020

कामरूप दर्पण

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा का मुखपत्र

(Society Regd No. : RS/KAM (M) 263/Q/264 of 2017-18)

e-mail : sammelankamrupsakha@gmail.com URL : www.sammelankamrupsakha.com

मारवाड़ी सम्मेलन
कामरूप शाखा

: संपादक :
विनोद कुमार लोहिया

: सह संपादक :
पवन कुमार जाजोदिया

: पृष्ठ सज्जा :
शामेश्वर शर्मा

: मुद्रक :
वसुंधरा एसोसिएट्स
गुवाहाटी

भरसक प्रयास किया गया है कि 'कामरूप दर्पण' के इस अंक में कोई त्रुटि ना रहे, परंतु भूल मानव का स्वभाव है, अत: कोई त्रुटि रह गई हो तो खेद है। कोई सुझाव हो तो kamrupdarpan@gmail.com के माध्यम से सूचित करें।

अध्यक्ष की कलम से

'संघे शक्ति कलौयुगे' उपनिषद का यह महामंत्र आज की परिस्थिति को चरितार्थ करते हुए की वर्तमान वैश्विक कोरोना महामारी चीन के वुहांग शहर से प्रारंभ होकर पूरे विश्व के साथ-साथ भारत की पवित्र भूमि के वातावरण को प्रदूषित कर दिया है। प्रतिदिन कोरोना संक्रमण से ग्रसित रोगियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में चिकित्सकों की राय से सामाजिक दूरी तथा एकांत में रहना ही इस बीमारी की प्रारंभिक औषधि के रूप में लिया जा रहा है। जब यह दिशनिर्देशों का पालन हम करेंगे तथा करवाएंगे तभी करोना महामारी को हरा पाएंगे। तभी उपनिषद का 'संघे शक्ति कलौयुगे' अर्थात एकता से ही कलयुग में सब कार्य संभव है।

इस कठिन परिस्थिति में मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा तथा अग्रवाल युवा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में तथा स्थानीय पुलिस प्रशासन के सहयोग से 'सर्व फूड फील गुड' नामक अभियान में कामरूप जिले के विभिन्न इलाकों में गरीबों के बीच राशन, पानी, पका हुआ भोजन वितरित किया गया। प्रवासी मारवाड़ी समुदाय के लिए गुवाहाटी से राजस्थान भेजने के लिए लॉकडाउन के समय 17 बसों से 226 लोगों को असम सरकार तथा राजस्थान सरकार से वार्ता कर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन तथा सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा व स्थानीय संगठनों के सहयोग से व्यवस्था की गई। इस कार्य में हमारी शाखा के श्री विनोद कुमार लोहिया तथा श्री दिनेश गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अत: शाखा की तरफ से इन दोनों महानुभावों को साधुवाद एवं अभिनंदन करता हूँ।

सम्मेलन की साधारण सभा 2020 के मार्च महीने में आयोजित किया जाना था, जिसे लॉकडाउन के वजह से स्थगित किया गया। पिछले दो-तीन महीनों से सभी गतिमान कार्यक्रम शाखा के द्वारा तत्काल प्रभाव से स्थगित किया गया है। लेकिन शाखा के मुखपत्र 'कामरूप दर्पण' की संपादक मंडली ने कठिन परिस्थितियों में भी पत्रिका का प्रकाशन किया। अत: संपादक मंडली को बहुत-बहुत साधुवाद। अंत में पुलिस, प्रशासन, सरकार ,डॉक्टर, पैरामेडिकल समूह एवं विभिन्न लोग जो इस महामारी हेतु नियोजित हैं उनका सम्मान तथा आभार। वर्तमान समय में यही लोग हमारे तारणहार बनकर कर्मयोद्धा के रूप में अज्ञात शत्रु से युद्ध कर हमारी रक्षा कर रहे हैं।

निम्नलिखित उपनिषद के मंत्र के द्वारा सबके निरोग की कामना करता हूँ :

सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे संतु निरामया:।
सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चिद दु:ख भागभवेत।।

जयतु समाज, जयतु मारवाड़ी सम्मेलन, जय आई असम

निरंजन कुमार सीकरिया
अध्यक्ष

संपादकीय

साथियों

बधाई! हमलोग लॉकडाउन से बाहर आ रहे हैं। विश्व जो त्राशदी झेल रहा है, उसके लिए कुछ हद तक हमने स्वयं को तैयार कर लिया है। जो हुआ सो हुआ अब हमें आगे बढ़ना है, जीवन को सामान्य बनाना है। कविवर डॉ. हरिवंशराय बच्चन के शब्दों में कहूं तो :

नाश के दुख से कभी दबता नहीं निर्माण का सुख
प्रलय की निस्तब्धता से सृष्टि का नव गान फिर-फिर
नीड़ का निर्माण फिर-फिर, नेह का आह्वान फिर-फिर!

हम व्यापारी विषम परिस्थियों में भी धैर्य, साहस और चतुरता के साथ आगे बढ़ने के लिए जाने जाते हैं। हमारे अंदर नए हालात के अनुरूप स्वयं ढाल कर नई ऊंचाइयों को छूने की गजब की क्षमता है। अवरोधों को अवसर में बदलना हमारा स्वाभाव रहा है। आपदा कैसी भी हो हम अपना दायित्व नहीं भूलते। कोरोना काल में हमारे संगठन ने मानव सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। शाखा का योगदान आगे के पृष्ठों पर अंकित है। कोरोना अभी जल्दी समाप्त नहीं होने वाला और न तब तक घरों में लॉक होकर बैठा सा सकता है, न ही सिर्फ सरकारों के भरोसे सबकुछ छोड़ना उचित है। हर व्यक्ति विशेष को स्वयं को सावधान रहना होगा और दुसरों को चेतना होगा। शारारिक दुरी और स्वच्छता का पूरा पूरा ध्यान रखकर कर आगे बढ़ना होगा तथा कोरोना के साथ जीने की कला में महारत हासिल करनी होगी।

'कामरूप दर्पण' के माध्यम से शाखा आपको पूर्वोत्तर के मारवाड़ी समाज के लोगों की उपलब्धि के साथ साथ मारवाड़ी समाज के साहित्यकारों के बारे में, प्रसिद्ध कहानियों के बारे में जानकारी देने की कोशिश करती है। हममें से अधिकतर लोगों ने बहुतेरी बार सुना है ''या धरती धोरा री''; लेकिन बहुत कम लोग जानते होंगे कि यह स्व. कन्हैया लालजी सेठिया द्वारा रचित है, जिनका जीवन परिचय आपके लिए इस अंक में समाहित है।

'कामरूप दर्पण' की प्रति सभी शाखाओं तक और प्रांतीय पदाधिकारियों तक पहुँचाने का प्रयास किया जाता रहा है, आगे से कोशिश रहेगी की पूर्वोत्तर के अन्य संगठनों तक भी इसे पहुँचाया जा सके। वैसे इसकी सॉफ्ट कॉपी शाखा की वेबसाइट http://www.sammelankamrupsakha.com पर Publications tab के अंतर्गत उपलब्ध है और सॉफ्ट कॉपी विभिन्न व्हाट्सप्प ग्रुप्स पर शेयर भी की जाती है, लेकिन पाठकों की प्रतिक्रिया उत्साहवर्द्धक नहीं है। हमारा निवेदन है कि पाठक अपनी प्रतिक्रिया 'कामरूप दर्पण' के ईमेल kamrupdarpan@gmail.com अथवा व्हाट्सप्प नम्बर 6000102017 पर अवश्य दें।

विनोद कुमार लोहिया
संपादक, कामरूप दर्पण
संपर्क सूत्र
फोन : 94351 06500
ई-मेल : vklohia@gmail.com

धूमधाम से मनाया गया होली मिलन समारोह

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रंगों के त्यौहार होली के उपलक्ष्य में मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा ने हर्षोल्लास से होली मिलन समारोह मनाया। फैंसी बाजार के एआरसीबी रोड स्थित सांगानेरिया धर्मशाला में गत 29 फरवरी 2020 की शाम को शाखा द्वारा रंगारंग होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश जी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके बाद राजस्थान के लक्ष्मणगढ़ से आमंत्रित सांवरिया म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने होली के गीत व नृत्य प्रस्तुत किए। शाखा के मुखपत्र 'कामरूप दर्पण' के चतुर्थ अंक एवं होली गीतों के पुस्तक 'खेलो रंग हमारे संग' का विमोचन मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया, अतिरिक्त जिला उपायुक्त श्री मनोज सीकरिया, प्रांतीय महामंत्री श्री राजकुमार तिवाड़ी, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री संजय मोर, शाखाध्यक्ष श्री निरंजन सीकरिया, संस्थापक अध्यक्ष श्री संपत मिश्र, सचिव श्री दिनेश गुप्ता, श्री दीपक जैन, श्रीमती सुनीता गुप्ता, श्रीमती नीलम जाजोदिया, श्रीमती खुशबू जैन एवं श्रीमती श्रद्धा पोद्दार के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री प्रभात शर्मा, श्री विष्णु सुल्तानिया, श्री संजय खेतान, श्री विजय अग्रवाल, श्री विजय भीमसरिया, श्री उमाशंकर गट्टाणी, श्री संतोष जैन, श्री विनोद कुमार लोहिया, श्री पवन कुमार जाजोदिया ने विशेष सहयोग दिया। सचिव श्री दिनेश गुप्ता ने सभी को कार्यक्रम को सफल बनाने तथा सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के संयोजक श्री राजेश पोद्दार, श्री संजय काबरा और श्री विनोद शर्मा थे, जिनका प्रयास अति सराहनीय रहा।

राजस्थानी भाषा के भीष्म पितामाह

महाकवि श्री कन्हैयालाल सेठिया (11 सितंबर 1919-11 नवंबर 2008) राजस्थानी भाषा के प्रसिद्ध कवि थे। आपको 2004 में पद्मश्री, साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा 1988 में ज्ञानपीठ के मूर्तिदेवी साहित्य पुरास्कार से भी सम्मानित किया गया था।

राजस्थान के चूरु जिले के सुजानगढ़ शहर में जन्मेकन्हैयालाल सेठिया राजस्थानी भाषा के महान रचनाकार होने के साथ साथ वो एक स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता, सुधारक, परोपकारी और पर्यावरणविद भी थे। 'धरती धोरा री...' और 'पाथल और पीथल' इनकी लोकप्रिय रचनाएं थी। सुजानगढ़ चुरू में जन्मे सेठिया गांधीजी से बड़े प्रभावित थे। उन्हीं के प्रभाव से खादी के वस्त्र धारण करना, दलित उद्धार कार्य करना तथा राष्ट्रभक्ति से ओत प्रेत रचनाएं लिखा करते थे। इनकी रचना 'अग्निवीणा' में अंग्रेजी हुकुमत को ललकार थी, जिसके कारण उन पर राजद्रोह का केस लगा तथा इन्हें जेल भी जाना पड़ा। ये बीकानेर प्रजामंडल के सदस्य भी रहे तथा 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान कराची में इन्होने जनसभाएं कर लोगों को जागृत करने की दिशा में कार्य किया। राजस्थानी कविता के सम्राट सेठिया को मरणोपरांत 31 मार्च 2012 को राजस्थान रत्न सम्मान देने की घोषणा की।

राजस्थानी के भीष्म पितामह कहे जाने वाले श्री कन्हैयालाल सेठिया जी को कौन नहीं जानता होगा। यदि कोई नहीं जानता हो तो कोई बात नहीं इनकी इन पंक्तियों को तो देश का कोना-कोना जानता है।

धरती धोराँ री.....,
आ तो सुरगां नै सरमावै,
ईं पर देव रमण नै आवै,
ईं रो जस नर नारी गावै,
धरती धोराँ री, ओ... धरती धोराँ री।

श्री सेठिया जी का यह अमर गीत देश के कण-कण में गुंजने लगा, हर सभागार में धूम मचाने लगा, घर-घर में गाये जाने लगा। स्कूल-कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में इनके लिखे गीत पढ़ाये जाने लगे, जिसने पढ़ा वह दंग रह गया, कुछ साहित्यकार की सोच को तार-तार कर के रख दिया, जो यह मानते थे कि श्री कन्हैयालाल सेठिया सिर्फ राजस्थानी कवि हैं, इनके प्रकाशित काव्य संग्रह ने यह साबित कर दिखाया कि श्री सेठीया जी सिर्फ राजस्थान के ही नहीं पूरे देश के कवि हैं।

हिन्दी जगत की एक व्यथा यह भी रही कि वह जल्दी किसी को अपनी भाषा के समतुल्य नहीं मानता, दक्षिण भारत के एक से एक कवि हुए, उनके हिन्दी में अनुवाद भी छापे गए, विश्व कवि रविंद्रनाथ ठाकुर की कविताओं का भी हिंदी अनुवाद आया, सब इस बात के लिये तरसते रहे कि हिंदी के पाठकों में भी इनके गीत गुण्गुणाये जाए, जो आज तक संभव नहीं हो सका, जबकि श्री कन्हैयालाल सेठिया जी के गीत *धरती धोराँ री, आ तो सुरगां नै सरमावै, ईं पर देव रमण नै आवै,* और असम के लोकप्रिय गायक व कवि डॉ. भूपेन हजारिका का *विस्तार है अपार, प्रजा दोनों पार, नि:शब्द सदा, ओ गंगा तुम, ओ गंगा बहती हो क्यों?* गीत हर देशवासी की जुवान पर है।

महामनीषी पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया का संक्षिप्त जीवन परिचय

जन्म : 11 सितंबर 1919 ई. को सुजानगढ़ (राजस्थान) में

पिता-माता : स्वर्गीय छगनमलजी सेठिया एवं मनोहरी देवी

विवाह : 1937 ई। में श्रीमती धापू देवी के साथ।

संतान : दो पुत्र - जयप्रकाश एवं विनयप्रकाश तथा एक पुत्री श्रीमती सम्पत देवी दूगड़

अध्ययन : बी.ए.

निधन : 11 नवम्बर 2008

साहित्य सृजन

उनकी कुछ कृतियाँ हैं, 'रमणियां रा सोरठा', 'गळगचिया', 'मींझर, कूंकंऊ', 'लीलटांस', 'धर कूंचा धर मंजळां', 'मायड़ रो हेलो', 'सबद', 'सतवाणी', 'अघरीकाळ', 'दीठ', 'कक्को कोड रो', 'लीकलकोळिया' एवं 'हेमाणी'।

राजस्थानी : 'रमणियां रा सोरठा', 'गळगचिया', 'मींझर', 'कूंकंऊ', 'धर कूंचा धर मंजळां', 'मायड़ रो हेलो', 'सबद', 'सतवाणी', 'अघरीकाळ', 'दीठ', 'कक्को कोड रो', 'लीकलकोळिया' एवं 'हेमाणी'

हिंदी : 'वनफूल', 'अग्णिवीणा', 'मेरा युग', 'दीप किरण', 'प्रतिबिम्ब', 'आज हिमालय बोला', 'खुली खिड़कियां चौड़े रास्ते', 'प्रणाम', 'मर्म', 'अनाम', 'निर्ग्रन्थ', 'स्वागत', 'देह-विदेह', 'आकाशा गंगा', 'वामन विराट', 'श्रेयस', 'निष्पति' एवं 'त्रयी'।

उर्दू : 'ताजमहल एवं गुलचीं'

सम्मान, पुरस्कार एवं अलंकरण

स्वतंत्रता संग्रामी, समाज सुधारक, दार्शनिक तथा राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कवि एवं लेखक के नाते आपको अनेक सम्मान, पुरस्कार एवं अलंकरण प्राप्त हैं जिनमें प्रमुख हैं -

1976 ई : राजस्थानी काव्यकृति 'लीलटांस' साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा राजस्थानी भाषा की सर्वश्रेष्ठ कृति के नाते पुरस्कृत।

1979 ई : हैदराबाद के राजस्थानी समाज द्वारा मायड़ भाषा की मान्यता हेतु संघर्ष के लिए सम्मानित। मायड़ भाषा को जीवन्त रखने की प्रेरणा दी।

1981 ई : राजस्थानी की उत्कृष्ट रचनाओं हेतु लोक संस्कृति शोध संस्थान, चूरू द्वारा डॉ. तेस्सीतोरी स्मृति स्वर्ण पदक सम्मान प्रदत्त।

1982 ई : विवेक संस्थान, कलकत्ता द्वारा उत्कृष्ट साहित्य सृजन के लिए पूनमचन्द भूतोड़िया पुरस्कार से पुरस्कृत।

1983 ई : राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर द्वारा सर्वोच्च सम्मान 'साहित्य मनीषी' की उपाधि से अलंकृत। 'मधुमति' मासिक का श्री सेठिया की काव्य यात्रा पर विशेषांक एवं पुस्तक भी प्रकाशित।

1983 ई : हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा 'साहित्य वाचस्पति' की उपाधि से अलंकृत।

1984 ई : राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर द्वारा अपनी सर्वोच्च उपाधि 'साहित्य मनीषी' से विभूषित।

1987 ई : राजस्थानी काव्यकृति 'सबद' पर राजस्थानी अकादमी का सर्वोच्च 'सूर्यमल मिश्रण शिखर' पुरस्कार प्रदत्त।

1988 ई : हिंदी काव्यकृति 'निर्ग्रन्थ' पर भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली द्वारा 'मूर्तिदेवी साहित्य' पुरस्कार प्रदत्त।

1989 ई : राजस्थानी काव्यकृति 'सत् वाणी' हेतु भारतीय भाषा परिषद्, कोलकाता द्वारा 'टांटिया' पुरस्कार से सम्मानित।

1989 ई : राजस्थानी वेलफेयर एसोशियेसन, मुंबई द्वारा 'नाहर' सम्मान।

1990 ई : मित्र मंदिर, कलकत्ता द्वारा उत्तम साहित्य सृजन हेतु सम्मानित।

1992 ई : राजस्थान सरकार द्वारा स्वतंत्रता सेनानी का 'ताम्रपत्र' प्रदत्त कर सम्मानित।

1997 ई : रामनिवास आशादेवी लखोटिया ट्रस्ट, नई दिल्ली द्वारा 'लखोटिया' पुरस्कार से विभूषित।

1997 ई : हैदराबाद के राजस्थानी समाज द्वारा मायड़ भाषा की सेवा हेतु सम्मानित।

1998 ई : 80 वें जन्म दिन पर डॉ. प्रतापचद्र चन्दर की अध्यक्षता में पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर तथा अन्य अनेक विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा सम्मानित।

2004 ई : राजस्थानी भाषा संस्कृति एवं साहित्य अकादमी बीकानेर द्वारा राजस्थानी भाषा की उन्नति में योगदान हेतु सर्वोच्च सम्मान 'पृथ्वीराज राठौड़' पुरस्कार से सम्मानित।

2005 ई : राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चेप्टर द्वारा 'प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार' से सम्मानित। एक लाख रुपए की पुरस्कार राशि राजस्थानी भाषा के कार्य में लगाने हेतु फाउंडेशन को लौटा दी, जिसे फाउंडेशन ने राजस्थान परिषद को इस हेतु समर्पित किया।

2005 ई : राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा पी.एच.डी. की मानद उपाधि प्रदत्त।

यह इस बात को भी दर्शाता है कि पाठकों को किसी एक भाषा तक कभी भी बांधकर नहीं रखा जा सकता और न ही किसी कवि व लेखक की भावना को। यह बात भी सत्य है कि इन कवियों को कभी भी हिंदी कवि की तरह देश में मान नहीं मिला, बंगाल रवींद्र टैगोर, शरत, बंकिम को देवता की तरह पूजता है। बिहार दिनकर पर गर्व करता है। उ.प्र. बच्चन, निराला और महादेवी को अपनी थाती बताता है। मगर इस युग के इस महान महाकवि को कितना और कब और कैसे सम्मान मिला यह बात आपसे और हमसे छुपी नहीं है। बंगाल ने शायद यह मान लिया कि श्री सेठिया जी राजस्थान के कवि हैं और राजस्थान ने सोचा ही नहीं की श्री सेठिया जी राजस्थानियों के कण-कण में बस चुके हैं। कन्हैयालाल सेठिया ने राजस्थानी के लिए, कविता के लिए इतना सब किया, मगर सरकार ने कुछ नहीं किया। मगर राजस्थान .....। ? कवि ने अपनी कविता के माध्यम से राजस्थान को जगाने का प्रयास भी किया -

किस निद्रा में मग्न हुए हो, सदियों से तुम राजस्थान् !
कहाँ गया वह शौर्य्य तुम्हारा, कहाँ गया वह अतुलित मान !

बालकवि बैरागी ने लिखा है, 'मैं महामनीषी श्री कन्हैयालालजी सेठिया की बात कर रहा हूँ। अमर होने या रहने के लिए बहुत अधिक लिखना आवश्यक नहीं है। मैं कहा करता हूँ कि बंकिमबाबू और अधिक कुछ भी नहीं लिखते तो भी मात्र और केवल 'वन्दे मातरम्' ने उनको अमर कर दिया होता। तुलसी- 'हनुमान चालिसा', इकबाल को 'सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' जैसे अकेला एक गीत ही काफी था। रहीम ने मात्र सात सौ दोहे यानि कि चौदह सौ पंक्तियां लिखकर अपने आप को अमर कर लिया। ऐसा ही कुछ सेठियाजी के साथ भी हो चुका है, वे अपनी अकेली एक रचना के दम पर शाश्वत और सनातन हैं, चाहे वह रचना राजस्थानी भाषा की ही क्यों न हो।

यह बात भले ही सोचने में काल्पनिक सा लगने लगा है हर उम्र के लोग इनकी कविता के इतने कायल से हो चुके हैं कि कानों में इसकी धुन भर से ही लोगों के पांव थिरक उठते हैं, हाथों को रोके नहीं रोका जा सकता, बच्चा, बुढ़ा, जवान हर उम्र की जुबान पर, राजस्थान के कण-कण, ढाणी-ढाणी, में *धरती धोरां री* गाये जाने लगा। सेठिया जी ने न सिर्फ काल को मात दी, आपको आजतक कोई यह न कह सका कि इनकी कविताओं में किसी एक वर्ग को ही महत्व दिया है, आमतौर पर जनवादी कविओं के बीच यह संकिर्णता देखी जाती है, इनकी इस कविता ने क्या कहा देखिये:

कुण जमीन रो धणी?,
हाड़ मांस चाम गाळ,
खेत में पसेव सींच,
लू लपट ठंड मेह,
सै सवै दांत भींच,
फ़ाड़ चौक कर करै,
करै जोतणी र बोवणी,

कवि अपने आप से पुछते हैं - *बो जमीन रो धनीक, ओ जमीन रो धणी?*

भारत सरकार द्वारा 'पद्मश्री' से सम्मानित। 'लीलटांस', 'निर्ग्रन्थ' एवं 'सबद', 'ग्रन्थ' क्रमश: साहित्य अकादमी, राजस्थानी अकादमी द्वारा सर्वोच्च पुरस्कारों से पुरस्कृत श्री कन्हैयालाल सेठिया जी को वर्ष 2007 में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने सम्मानित करने का निर्णय लिया है। यह मारवाड़ी समाज का तिलक है, जो हिंदुस्तान भर में फैले करोड़ों मारवाड़ियों की तरफ से दिया गया सम्मान है। अन्त करने के लिए शब्दों का चयन करना बड़ा कठिन कार्य होता है और जब युगपुरुष के विषय में लिखा जाए तो और भी कठिन है। इसके लिए श्री सेठिया जी की इन पंक्तियों का चयन करता हूँ :

मौन प्रार्थनाएँ, जल्दी पहुँचती है,
ईश्वर तक, क्योंकि - मुक्त होती हैं वे शब्दों के बोझ से!

साक्षात्कार

चिकित्सक दंपति डॉ. अंकित जितानी और डॉ. एकता जाजोदिया के साथ

पूरी दुनिया कोरोना वायरस (कोविड-19) की मार झेल रही है। हमारे देश में भी कोरोना महामारी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। देश के विभिन्न राज्यों में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हालांकि कुछ राज्यों में स्थिति नियंत्रण में है। कोरोना वायरस के चलते कई लोगों की मौत हो चुकी तथा कई लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है, लोगों में इस वायरस को लेकर खौफ है। हालांकि कई मरीज कोरोना संक्रमण से स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुके हैं। इस घातक बीमारी का सबसे प्रभावी इलाज सोशल डिस्टेंसिंग बताया जा रहा है, क्योंकि यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलता है।

अहमदाबाद के चिकित्सक डॉ. अंकित जितानी जो कि तिनसुकिया निवासी श्री सुरेंद्र जितानी के सुपुत्र हैं और उनकी चिकित्सक पत्नी डॉ. एकता जाजोदिया, जो हमारे सदस्य सी.ए. श्री सज्जन कुमार जाजोदिया की सुपुत्री हैं, भी कोरोना वायरस के शिकार हुए थे। वे दोनों अब स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। बताते चलें कि डॉ. अंकित जितानी Consultant Hematologist and Bone Marrow Transplant Physician हैं। वे अहमदाबाद के Appollo CBCC Cancer Care में कार्यरत हैं और डॉ. एकता जाजोदिया अहमदाबाद के Unipath Speciality Lab में Consultant Molecular Pathologist के रूप में कार्यरत हैं। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष एवं 'कामरूप दर्पण' के सह संपादक श्री पवन कुमार जाजोदिया ने कोरोना संक्रमण को लेकर उनसे फोन पर बात की। उन्होंने इस साक्षात्कार में कोरोना संक्रमण को लेकर अपने अनुभव साझा किए। पेश है उनसे की गई बातचीत के कुछ अंश:

➲ ***आप दोनों को कोरोना से संक्रमित होने का पता कब और कैसे चला ?***

डॉ. एकता : 11 मई को मुझे महसूस हुआ कि मुझे Loss of Smell (सूंघने की शक्ति खत्म होना) हो गया है। वैज्ञानिक भाषा में इस अवस्था को Anosmia कहते हैं। उस दिन मैंने परफ्यूम लगाया था, लेकिन मुझे परफ्यूम की सुगंध नहीं आ रही थी। उसी दिन मेरे पति (डॉ. अंतिक) को भी गले में खराश था। इसके अलावा हमारी Taste Sensation (स्वाद संवेदना) भी 60-70 प्रतिशत कम हो गई थी। तब हमें कोरोना संक्रमण का संदेह हुआ और हमने कोरोना टेस्ट करवाए।

➲ ***आपने टेस्ट कहां करवाए ?***

डॉ. एकता : वैसे तो कोरोना टेस्ट के लिए अहमदाबाद में सरकारी और प्राइवेट लैब उपलब्ध हैं। हमने प्राइवेट लैब में अपने टेस्ट करवाए।

➲ ***टेस्ट की रिपोर्ट कितनी देर बाद मिली ?***

डॉ. एकता : रिपोर्ट हमें टेस्ट के 12 घंटे की भीतर मिल गई। रिपोर्ट में हम दोनों के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई।

➲ ***कोरोना संक्रमण की पुष्टि होने के बाद आपकी मनोदशा कैसी थी ?***

डॉ. अंकित : रिपोर्ट आने के बाद हम डरने के बजाय सतर्क हो गए। हमने अपने आपको कमरे में आइसोलेट (एकांतवास) कर लिया।

➲ ***क्या आपके संपर्क में आने वालों में कोई कोरोना से संक्रमित हुआ ?***

डॉ. अंकित : नहीं। हम दोनों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद अपोलो अस्पताल में हमारे साथ काम करने वाले चिकित्सकों की जांच हुई। उन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई।

➲ ***शुरुआती इलाज कैसी हुई ?***

डॉ. अंकित : शुरू में घर पर ही हमारा इलाज हुआ। हम खुद ही ब्लड प्रेशर, बुखार आदि मॉनिटर कर रहे थे व दवाइयां ले रहे थे। लेकिन जब बुखार बढ़ गया तो हम अपोलो अस्पताल से भर्ती हो गए। यहां भी कोरोना मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

➲ ***अस्पताल में आप के साथ कैसा व्यवहार किया गया ?***

डॉ. अंकित : अस्पताल में सभी मरीजों से अच्छा व्यवहार होता है। सभी ने हमारा अच्छा ख्याल रखा, जैसे अन्य मरीजों का रखा जाता है।

➲ ***कोरोना मरीजों का इलाज कैसे होता है ?***

डॉ. अंकित : कोरोना संक्रमण में मरीजों में लक्षण अलग-अलग होते हैं। किसी को बुखार, खासी होती है तो किसी को पेट में दर्द, डायरिया, सूंघने की शक्ति कम होना, गले में खरास जैसी समस्या होती है। जिस मरीज को जैसे लक्षण होते हैं वैसी दवाइयां दी जाती है, जैसा कि आम तौर पर दिया जाता है। इस बीमारी से मरीज को घबराने की जरूरत नहीं है। जब भी हम बीमार पड़ते हैं तो हमारे शरीर की एंटीबॉडिज काम करती है। कोरोना के मामले में भी यही होता है। इसलिए इस बीमारी में मरीज को इम्यूनिटी (प्रतिरोधक क्षमता) बढ़ाना जरूरी है। लेकिन जिस मरीज को सांस की बीमारी, शुगर (मधुमेह), ब्लड प्रेशर आदि होती हैं उनको कोरोना से ज्यादा खतरा रहता है। हमारे डॉक्टर्स, नर्स व अन्य स्वास्थकर्मी अपनी जान को जोखिम में डाल कर कोरोना मरीजों की सेवा में दिन-रात लगे हुए हैं।

➲ ***कोरोना से संक्रमित होने पर मरीज डर जाते हैं। इस पर आप क्या कहेंगे ?***

डॉ. अंकित : कोरोना संक्रमित होने पर घबराने की जरूरत नहीं। मुझे लगता है कि जानकारी के अभाव के कारण मरीज डरते हैं। मरीज को कोरोना संक्रमण के बारे में जानकारी होना जरूरी है। जरूरी स्वास्थ्य नियमों का पालन करते हुए योजनाबद्ध तरीके से इलाज कराने से मरीज स्वस्थ हो जाता है।

➲ ***कितने दिन अस्पताल में थे ?***

डॉ. अंकित : हम 8 दिन अस्पताल में रहे। बुखार जाने के 72 घंटों के बाद हमें छुट्टी दे दी गई। 28 मई तक हम क्वारंटाइन में रहे।

➲ ***क्या सरकार की तरफ से कोई मदद मिली ?***

डॉ. अंकित : हां, सरकार की तरफ से अच्छा रेस्पॉन्स रहा। सरकारी अधिकारी और चिकित्सकों से हम संपर्क में थे। शुरू में वे घर पर आकर हमारे स्वास्थ्य की जांच करते थे।

➲ ***कोरोना मुक्त होने के बाद घर में क्या सावधानियां बरत रहे हैं ?***

डॉ. अंकित : घर पर भी हम हर जरूरी स्वास्थ संबंधी नियमों का पालन कर रहे हैं।

➲ ***क्या कोरोना मरीज को कुछ खास दवाइयां लेनी होती हैं?***

डॉ. अंकित : नहीं, ऐसी कोई खास दवाई लेनी नहीं होती। वहीं दवाइयां जरूरी हैं, जो आम तौर पर हम बुखार, खासी आदि में लेते हैं। कोरोना संक्रमण में सबसे ज्यादा जरूरी है इम्यूनिटी बढ़ाना। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा फल व जूस ले सकते हैं।

➲ ***ठीक होने के बाद क्या कोई दोबारा कोरोना से संक्रमित हो सकता है?***

डॉ. अंकित : देखिए, कोरोना के मामले में व्यक्ति के शरीर में मौजूद एंटी बॉडिज मायने रखती। यह व्यक्ति के शरीर में एंटी बॉडिज पर निर्भर करता है कि वह कब तक लड़ सकता है। डॉक्टर मरीज के प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए दवा देते हैं। इसलिए यह कहना गलत होगा कि ठीक होने वाला मरीज दोबारा कोरोना से संक्रमित नहीं हो सकता। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतनी जरूरी है।

➲ ***वापस लौटने पर आपके पड़ोसियों का व्यवहार कैसा था?***

डॉ. अंकित : पड़ोसियों का व्यवहार काफी अच्छा और सपोर्टिव था। उन्होंने हमें बहुत सहयोग दिया। कोई चीज देनी होती थी तो वे हमारे दरवाजे के पास रख कर चले जाते। उनके जाने के बाद हम उस चीज को ले लेते। हमारे सोसाइटी में सभी लोगों के टेस्ट कराए गए।

➲ ***लोगों को क्या-क्या सावधानी बरतनी चाहिए?***

डॉ. अंकित : कोरोना संक्रमण से बचने के लिए लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग के साथ कोविड-19 के लिए जारी किए गए अन्य नियमों का पालन करना चाहिए। साथ ही लोगों को थोड़ी-थोड़ी देर बाद हाथ धोने चाहिए एवं लगातार मास्क पहनना चाहिए। इसके अलावा जरूरी न हो तो किसी से भी अधिक समय तक बात न करें। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन-सी, विटामिन-डी, जिंक, निम्बू पानी, काढ़ा आदि लेना चाहिए।

➲ ***क्वारंटाइन में जाने से लोग डर रहे हैं? इस पर आप क्या कहेंगे?***

डॉ. अंकित : क्वारंटाइन में जाने से लोगों को डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह उनके भले के लिए ही है। क्वारंटाइन में जाने से आप खुद के साथ-साथ अपने घर वालों व अपने पड़ोसियों की भी सुरक्षा कर रहे हैं। लोग अपने घर में क्वारंटाइन हो सकते हैं। इसमें सरकार भी मदद कर रही है।

➲ ***कोरोना को लेकर आप लोगों को क्या संदेश देना चाहेंगे?***

डॉ. अंकित : हम यही कहना चाहेंगे कि लोग इस बीमारी को लेकर डरे नहीं, बल्कि सतर्क और जागरूक रहें। अगर डर की वजह से सावधानी आती है तो डर अच्छा है। लेकिन डरे बिना सावधान रह पाएं तो और भी अच्छा है। कोरोना के कोई भी लक्षण नजर आए तो मेडिकल हेल्थ जल्द से जल्द लेना जरूरी है।

H.S.L.C Topper

छठा रैंक

हर्षवर्द्धन माहेश्वरी

सेबा द्वारा संचालित मैट्रिक की परीक्षा के परिणाम में सरभोग के हर्षवर्द्धन माहेश्वरी ने राज्य भर में छठा स्थान हासिल किया है। बरपेटा रोड के मेरियन स्कूल के छात्र हर्षवर्द्धन ने कुल 600 में से 588 अंक हासिल किए हैं। वह बीएच कॉलेज के अकाउंटेंसी विभाग के प्रमुख श्री प्रवीण माहेश्वरी का सुपुत्र है। उसने अपनी इस सफलता के लिए अपने माता-पिता व शिक्षकों को दिया है। वह यूपीएससी की तैयारी करने की योजना बना रहा है।

सातवां रैंक

झलक जालान

सेबा द्वारा संचालित मैट्रिक की परीक्षा के परिणाम में नगांव की झलक जालान ने राज्य भर में सातवां स्थान हासिल किया है। झलक नगांव के धिंग गेट पथ के निवासी पवन जालान व हेमलता जालान की पुत्री है। उसे सभी विषयों में लेटर मार्क के साथ 600 में से कुल 587 अंक प्राप्त हुए हैं। हैबरगांव के सेंट एंथोनी स्कूल की छात्रा झलक अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता व शिक्षकों को दिया है। वह विज्ञान संकाय से आगे की पढ़ाई कर चिकित्कस बनना चाहती है।

नौवां रैंक

नीरज खेतान

सेबा द्वारा संचालित मैट्रिक की परीक्षा के परिणाम में गुवाहाटी के रिहाबाड़ी स्थित हैप्पी चाइल्ड हाईस्कूल के छात्र नीरज खेतान ने सभी विषयों में लेटर सहित कुल 585 अंक हालिस कर राज्य भर में नौवां स्थान हासिल किया है। व्यवसायी श्री महेश खेतान व संतोष अगरवाला के सुपुत्र नीरज ने अपनी सफलता का श्रेय अपने अभिभावकों, शिक्षकों व मित्रों को दिया है। वह गुवाहाटी में रहकर विज्ञान संकाय से आगे की पढ़ाई करना चाहता है। वह बड़ा होकर इंजीनियर बनना चाहता है।

इसके अलावा समाज के अन्य बच्चों ने भी मैट्रिक की परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।
मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

समाज के लोगों के लिए सहायक बना मारवाड़ी सम्मेलन

कामरूप शाखा का रहा सराहनीय योगदान

विश्वभर में महामारी का रूप ले चुके कोरोना वायरस (कोविड-19) के चलते देश की सरकार ने गत 24 मार्च 2020 को लॉकडाउन की घोषणा की थी। देश भर में इस वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए लॉकडाउन आगे भी बढ़ाया गया। लॉकडाउन के चलते विभिन्न राज्यों के मजदूर व अन्य लोग असम में फंस गए। भारी संख्या में राजस्थान के निवासी भी यहां लॉकडाउन के चलते फंसे हुए थे। इस बीच 29 अप्रैल को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए लॉकडाउन में फंसे हुए 222 राजस्थानियों को 17 बसों से राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया। कामरूप मेट्रो गुवाहाटी के जिला उपायुक्त विश्वजीत पेगू एवं गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने अभिवादन करते हुए गुवाहाटी के सोनाराम फील्ड से इन 17 बसों को रवाना किया था। इस अवसर पर पूर्वोतर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया, प्रांतीय महामंत्री श्री राजकुमार तिवाड़ी, प्रदेश भाजपा के राज्य कोषाध्यक्ष श्री राजकुमार शर्मा सोती ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए अभिवादन किया। इस ऐतिहासिक कार्य में सम्मेलन की कामरूप शाखा ने सराहनीय योगदान दिया। गौरतलब है कि गत दिनों राजस्थान के कोटा में पढ़ने वाले 360 राज्य के छात्र-छात्राओं को असम सरकार ने विशेष बसों के द्वारा गुवाहाटी बुला लिया था। जब यह 17 बसें वापस खाली होकर जाने को तैयार हुई तब मारवाड़ी सम्मेलन ने राज्य सरकार व राजस्थान सरकार से बात करके 350 राजस्थानी मूल निवासियों को अपने गांव पहुंचाने का बीड़ा उठाया। बसों में सीकर, जयपुर, नागौर, चूरु, हनुमानगढ़, बीकानेर, बाड़मेर ,कोटा झुंझुनूँ, जोधपुर पाली, गंगानगर, अलवर, गाड़ोदा, लाडनूँ के बाशिंदों ने यात्रा प्रारंभ की। मारवाड़ी सम्मेलन, अमृत भोग भंडारा और ब्राह्मण भवन, अग्रवाल युवा परिषद् की ओर से यात्रियों को चाय-बिस्कुट, रास्ते में खाने के लिए खाद्य सामग्री, पेयजल की बोतलें एवं जरूरतमंद यात्रियों को किराए सहित खर्च के लिए पैसे भी दिए गए। 17 बसों के 34 ड्राइवर और 17 खलासी अपने असम प्रवास के दौरान असम सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं की तारीफ करते हुए भाव विभोर हो गए। इस कार्य में मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा एवं कामरूप शाखा के सदस्यों ने व्यवस्था बनाने में मुख्य भूमिका निभाई। इसमे जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन का सहयोग काफी सराहनीय रहा। जिला प्रशासन के एडीसी के अलावा अन्य अधिकारी भी स्थिति पर नजर रखे हुए थे। पुलिस प्रशासन के बड़े अधिकारियों ने आकर स्थिति का जायजा लेकर व्यवस्था पर काफी संतोष जताया। यातायात पुलिस ने भी 17 बसों को सुगमता से जाने के लिए रास्ते को खाली करवा कर अपना सहयोग दिया। सम्मेलन का एक प्रतिनिधि दल बसों को सराईघाट पुल तक छोड़ने के लिए आगे तक गया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करने में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के जनसंपर्क सचिव श्री विवेक सांगानेरिया के अलावा श्री पीतराम केड़िया, श्री प्रदीप भुवालका, श्री शंकर बिड़ला, श्री विनोद कुमार लोहिया, श्री दिनेश गुप्ता, श्री अरविंद पारीक के अलावा सम्मेलन की गुवाहाटी और कामरूप शाखा के कई सदस्यों ने उल्लेखनीय सहयोग दिया।

कामरूप शाखा का कोरोना के खिलाफ जनजागरण अभियान

कोरोना वायरस के समय हम सभी अपने आप को कैसे बचा सकते हैं, उसके लिए जनसाधारण को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों एवं संस्थानों के परिसर में बैनर लगाने का निर्णय लिया गया। तदानुसार निम्मलिखित स्थानों पर बैनर लगाए जा चुके हैं :

- रामकुमार प्लाजा, छत्रीबाड़ी रोड
- जी डी सिकरिया कॉम्प्लेक्स, एम.एस. रोड
- श्रीराम मार्केट, छत्रीबाड़ी रोड
- टी एन टॉवर, ए.टी. रोड
- दीप्ति कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, ए.टी. रोड
- पी सी. मार्केट, ए.टी. रोड
- जी. एस. टॉवर, छत्रीबाड़ी रोड

आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। अगर सदस्यगण अपने संस्थान पर यह बैनर लगाना चाहे तो शाखा सचिव श्री दिनेश गुप्ता से 9435019174 पर व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर सकते हैं। शाखा पाठकों से आग्रह करती है कि इस संकटकाल में स्वयं भी सावधान रहें और दूसरों को भी सावधान रहने के लिए प्रेरित करें।

कविता

'ये लोग' कौन हैं?

ओमप्रकाश अगरवाला

उन्माद नहीं, नारे भी नहीं,
चल रहे ये सब मौन है।
'भारत के हम लोगों' में,
आखिर 'ये लोग' कौन हैं?

सर पे गठरी, हाथ में नौनिहाल है,
तपती सड़क पर हर एक बेहाल है।
श्वेद, अश्रु और रक्त से तरबतर
हर एक शख्स बदहाल है॥

रोटी के आश्वासनों से बच्चों को छल रहे हैं,
पेट की आग में सारे सपने जला रहे हैं।
भूख को दर्द से और दर्द को भूख से,
सुबह, दोपहर और शाम बहला रहे हैं॥

बच्चे, बूढ़े सह ये लाखों पांव,
जा रहे हैं आज अपने गांव।
थकान, दर्द, धुप से निर्विकार
चल रहे हैं ये सब लगातार॥

नीली भी नहीं, सफेद भी नहीं है,
इनके बनियान पर कोई कालर नहीं है।
राजनीति है हावी, कहीं इंसानियत नहीं है,
ये यात्रा दंड है, कोई दांडी नहीं है॥

चलते-चलते कोई रास्ते में मर गया,
चलते-चलते कुछ को काल मार गया।
कोई पोटली में राख लिए जा रहा है,
कोई बच्चे की लाश लादे जा रहा है॥

कोई तो अधिकार होगा इनका,
कोई तो कानून होगा इनके लिए।
माना ये किसी चैनल के मालिक नहीं,
पर कोई तो अदालत होगी इनके भी लिए॥

इनके यहाँ भी तो मजमा लगा था,
इनके दरों पर भी तो आये थे वों।
इनके नाखूनों पर भी तो स्याही लगी थी,
कुछ दिनों पहले जब सरकार बनी थी॥

इनके पदचापों में सुनो
इनके मौन से समझों।
नए भारत का पहला पन्ना,
अश्रु, श्वेद और रक्त से लिखा जा रहा है॥

संविधान का कोई तो पन्ना होगा,
जो इनकी बात करता होगा।
हम भारत के लोगों में,
कुछ लोग तो ये भी होंगे॥

महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित श्रीमती पुष्पा बजाज की कहानी उन्हीं की जुबानी

राष्ट्र की आर्थिक उन्नति में मारवाड़ी समाज सदैव अग्रणी रहा है। अपने समाज के प्रति मेरे दिल में एक विशेष आदर भाव है। यह मेरा सौभाग्य है की मैंने एक ऐसे समाज में जन्म लिया, जहाँ दान और सहयोग की भावना जन्मजात है। हमारे देश ने बहुत से क्षेत्रों में उन्नति की है, आज विश्व के लगभग हर बड़े देश हमारे देश को सम्मान के साथ देख रहे हैं। इस बात का हर भारतीय को गर्व होना चाहिए और मुझे भी है, लेकिन इसके पश्चात हम यह भी नहीं भूल सकते की हमारे देश के नागरिकों की एक बड़ी जनसंख्या आज भी अभावग्रस्त है। उनके पास रहने को घर और बच्चों के शिक्षा और पोषण के लिए उचित साधन नहीं हैं और इस पीड़ा के बोझ को सबसे ज्यादा ऐसे लाखों करोड़ों महिलाओं को ही उठाना पड़ता है, क्योंकि परिवार चलने की जिम्मेवारी महिलाओं की ही ज्यादा होती है।

महिलाओं का सशक्त होना स्वावलंबी होना अत्यंत आवश्यक है। महिला अगर आर्थिक रूप से सशक्त है तो वह ना तो अपने परिवार को भूखा रहने देगी और ना ही अपने बच्चों को शिक्षा का अभाव होने देगी। 1998 में मैंने ऐसे ही अभावग्रस्त परिवारों की महिलाओं के स्वावलंबन के लिए 'शुभम' नामक से एक संस्था की नींव रखी। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए नि:शुल्क सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, सौंदर्य प्रशिक्षण, कम्प्यूटर ज्ञान, मोबाइल रिपेयरिंग इत्यादि के केंद्र खोलकर उनके आय के लिए अवसर उपलब्ध करने का प्रयास किया। ना केवल प्रशिक्षण, बल्कि स्वास्थ, स्वच्छता, योग, स्वरोजगार इत्यादि के प्रति विशेष रूप से जागरूक करने का प्रयास प्रारंभ किया। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के जागरूकता अभियान द्वारा हमारा प्रयास होता है कि हमारी संस्था में आने वाली हर महिला अपने परिवार की एक जिम्मेवार सदस्य बनकर राष्ट्र हित में सहभागी बने, क्योंकि हमारा पूरा विश्वास है कि देश का कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनना राष्ट्र के हित में बढ़ाया गया सबसे बड़ा कदम है। यह मेरा सौभाग्य रहा कि अभावग्रस्त महिलाओं के सशक्तिकरण के मेरे इस अभियान में मेरे परिवार के हर सदस्य ने मेरा भरपूर साथ दिया और हौंसला बढ़ाया। इसी प्रकार शिलांग समाज के हर प्रतिष्ठित परिवार की महिलाएं आज मेरी संस्था 'शुभम' की सदस्य हैं, जिनका 'शुभम' के हर कार्य में भरपूर सहयोग रहता है। विशेषकर मेरे पति श्री रामअवतार बजाज और मेरे दोनों पुत्र ऋषभ, राघव और मेरी पुत्र वधु सिल्की, पायल का सहयोग प्रशंसनीय है, जो मेरे हर संघर्ष में मेरी शक्ति बनकर मेरे साथ खड़े हैं, जिन्होंने मुझे अपने लक्ष्य प्राप्ति के पथ पर कभी भी दुर्बल नहीं होने दिया।

2016 तक यह सारे दायित्व 'शुभम' के माध्यम से उठाए गए। 2016 में जब हमारे प्रधानमंत्री का आगमन शिलांग हुआ तब मुझे अपनी संस्था के बारे में उन्हें बताने का सुअवसर प्राप्त हुआ। उसका यह लाभ हुआ कि मुझे उनकी सबसे प्रिय योजना पी.एम.के.वी.वाई. (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। 2017 के मार्च में हम विधिवत इस योजना से जुड़ पाए। हमारे पहले पी.एम.के.वी.वाई. केंद्र का उद्घाटन तत्कालीन राज्यपाल श्री बनवारीलाल पुरोहित ने किया। इतना ही नहीं इस योजना के तहत हमारी संस्था की प्रशिक्षार्थियों को तीन बार राजभवन में बुलाकर राज्यपाल द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। 2017 में महामहीम श्री बनवारीलाल पुरिहित द्वारा, 2018 में महामहीम श्रीगंगाप्रसाद द्वारा एवं 2019 में महामहीम श्री तथागत रे द्वारा तथा 2 बार ईस्ट खासी हिल्स की कमिश्नर द्वारा 'शुभम' के प्रशिक्षार्थियों को सर्टिफिकेट मिलपाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आज 'शुभम' के 7 केंद्र मेघालय में और 1 केंद्र असम के उदालगुड़ी में हैं। हर वर्ष हमारे विभिन्न सेंटर में करीब 1800 से 2000 महिलाओं का प्रवेश होता है, जिनमें अभी तक

सालाना 1000 महिलाओं को पी.एम.के.वी.वाई के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया जाता है, बाकि महिलाओं के प्रशिक्षण का दायित्व हमारी संस्था स्वयं उठाती है। प्रशिक्षण के बाद पूरी जिम्मेवारी के साथ हमारा यह प्रयास होता है कि सभी महिलाओं को उचित ब्याज पर बैंक से कैसे ऋण उपलब्ध हो ताकि वह अपना रोजगार प्रारंभ कर सके या फिर स्वयं सहायता समूह बनाकर वह कोई छोटा कारोबार प्रारंभ कर सके। उनकी आजीविका बढ़ सके महिलाओं की आत्मनिर्भरता ही हमारा मुख्य लक्ष्य है।

अभी जब हमारा देश करोना वायरस के प्रकोप से जूझ रहा है और लॉकडाउन चल रहा है ऐसी परिस्थिति में भी हम ईस्ट खासी हिल्स की कमिश्नर के माध्यम से अपने सिलाई प्रशिक्षित महिलाओं को मास्क बनाने के माध्यम से 4 लाख रुपए तक का रोजगार देने में सफल रहे। मैं मारवाड़ी सम्मलेन, कामरूप शाखा के अध्यक्ष श्री निरंजन सीकरिया के प्रति अपनी संस्था की प्रशिक्षित महिलाओं की तरफ से धन्यवाद देती हूँ, जिन्होंने उनसे कपड़े के मास्क बनवाकर उन्हें रोजगार उपलब्ध करवाने में सहयोग प्रदान किया। साथ ही कार्यकारी अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया, जिनके अपने मधुर व्यवहार के लिए आभार प्रकट करती हूँ।

पुष्पा बजाज
अध्यक्षा
शुभम चैरिटेबल एसोसिएशन

उपलब्धि

आईसीएसआई के नॉर्थ ईस्ट चैप्टर के युवा चेयरमैन

सीएस बिशाल हरलालका

मारवाड़ी समाज ने शिक्षा, व्यवसाय, खेल-कूद आदि हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवाया है। समाज के शिक्षाविदों, विज्ञानियों और मेहनतकश लोगों ने हर क्षेत्र में बड़ा मुकाम हासिल करने में सफलता पाई है। ऐसे ही एक शख्सियत हैं कंपनी सचिव (सीएस) बिशाल हरलालका। सीएस बिशाल हरलालका द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरिस ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) के नॉर्थ ईस्ट चैपटर के चेयरमैन है। वे आईसीएसआई जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के चैप्टर में यह मुकाम हासिल करने वाले सबसे युवा सदस्य हैं। सीएस बिशाल हरलालका वर्ष 2013 से पेशेवर कंपनी सचिव के तौर पर काम कर रहे हैं। 19 जनवरी 2020 को उन्होंने आईसीएसआई के नॉर्थ ईस्ट चैप्टर के चेयरमैन का पदभार संभाला। इससे पहले वे उपाध्यक्ष (वाइय चेयरमैन) के रूप में संस्थान की नॉर्थ ईस्ट चैपटर में कार्यरत थे। वर्ष 2019-2022 के चुनाव में भारी मतों से विजयी होने के बाद उन्हें नॉर्थ ईस्ट चैपटर की प्रबंधन समिति में शामिल किया गया। सीएस बिशाल हरलालका श्री अर्जुनलाल हरलालका और श्रीमती सुमित्रा हरलालका के सुपुत्र हैं तथा असम के बंगाईगांव के निवासी हैं। उन्होंने वर्ष 2015 में गौहाटी विश्वविद्यालय से अकाउंटेंसी में ऑनर्स लेकर प्रथम श्रेणी के साथ से M.Com की डिग्री हासिल की। बंगाईगांव लॉ कॉलेज से वर्ष 2016 में प्रथम श्रेणी से LLB की डिग्री हासिल की। वर्ष 2013 में वे कंपनी सचिव बने।

कोरोना संकटकाल में कामरूप शाखा द्वारा मानव सेवा

विश्वव्यापी कोरोना महामारी के चलते केंद्र सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन के दौरान सामाजिक संस्था मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा ने गरीबों व जरूरतमंद लोगों की सहायता कर मानव सेवा की मिसाल पेश की। वैसे यह जगजाहिर है कि किसी भी आपदा के समय लोगों की मदद के लिए तथा सामाजिक कार्यों में शाखा सदैव तत्पर रहती है। कोरोना संकटकाल में शाखा ने सामाजिक दायित्व निभाते हुए अग्रवाल युवा परिषद, गुवाहाटी के साथ मिलकर संयुक्त रूप से '**सर्व फूड, फील गूड**' कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया। शाखा ने 29 मार्च 2020 से गुवाहाटी महानगर के विभिन्न इलाकों में गरीबों व जरूरतमंद लोगों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया। गौरतलब है कि शाखा ने लॉकडाउन के पहले दिन से इस सामाजिक कार्य के लिए तैयारी शुरू कर दी थी।

लॉकडाउन के पांचवें दिन 29 मार्च को '**सर्व फूड, फील गूड**' कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा एवं अग्रवाल युवा परिषद, गुवाहाटी ने स्थानीय प्रशासन की अनुमति से एवं पुलिस विभाग के सहयोग से पुलिस रिजर्व, विष्णुपुर और चाबीपुल हरिजन कॉलोनी में 500 पैकेट खिचड़ी का वितरण किया। कार्यक्रम के संयोजक शाखा के संयुक्त मंत्री अनुज चौधरी और अग्रवाल युवा परिषद के कार्यकारिणी सदस्य प्रतीक खेतान थे। इस कार्य के लिए कामरूप शाखा और अग्रवाल युवा परिषद के सदस्यों ने आर्थिक सहयोग दिया। इस कार्य में कामरूप शाखा के अध्यक्ष श्री निरंजन सीकरिया, मंत्री श्री दिनेश गुप्ता व श्री दीपक जैन के अलावा कई सदस्यों ने तथा अग्रवाल युवा परिषद के अध्यक्ष श्री रितेश अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष श्री अरूण चौधरी, उपाध्यक्ष व कार्यक्रम श्री संयोजक अनुज चौधरी, मंत्री श्री आदर्श अगरवाल, कोषाध्यक्ष श्री विनीता चौधरी, श्री प्रतीक खेतान के अलावा श्री रवि सूरेका, श्री अमित अग्रवाल, श्री विवेक मुरारका ने सक्रिय भूमिका निभाई।

30 मार्च को भी सम्मेलन की कामरूप शाखा व अयुप ने जरूरतमंदों को अपना सहयोग जारी रखते हुए शराबभट्टी, फैंसी बाजार चाराली, बीरूबाड़ी थाना गली में खिचड़ी के 550 पैकेट वितरित किए गए। बीरूबाड़ी में जरूरतमंदों की संख्या काफी अधिक देखी गई। इस क्षेत्र में रिक्शा चालक, ठेला चालक, दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लोग अधिक संख्या में है, जिनके पास पैसों की अथवा खाद्य सामग्री की कमी है। ऐसे में इन दोनों संस्थाओं ने मानवता का परिचय देते हुए अपनी जिम्मेदारी

को निभाते हुए बीरूबारी थाना प्रभारी के सहयोग से भूखे व जरूरतमंदों के बीच खिचड़ी का वितरण किया। इस दिन कार्यक्रम को सफल बनाने में कामरूप शाखा की ओर से अध्यक्ष श्री निरंजन सीकरिया, मंत्री श्री दिनेश गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष श्री पवन कुमार जाजोदिया, श्री संजय खेतान, श्री दीपक जैन एवं कार्यक्रम संयोजक श्री अनुज चौधरी का सक्रिय सहयोग रहा। वहीं अग्रवाल युवा परिषद के अध्यक्ष श्री रितेश अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष श्री अरुण चौधरी, मंत्री श्री आदर्श अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री विनीता चौधरी, संयोजक श्री प्रतिक खेतान, श्री रवि सुरेका, श्री अमित अग्रवाल, श्री विवेक मुरारका, श्री कमलेश गोयल और श्री मयंक बजाज ने अपना सहयोग दिया। इसी तरह 31 मार्च को शाखा ने अयुप के साथ कोरोना वारियर्स पुलिसकर्मियों, सुरक्षाकर्मियों एवं असहाय लोगों के बीच अपनी जनसेवा को जारी रखी। कार्यक्रम संयोजक अनुज चौधरी और प्रतीक खेतान के नेतृत्व में पुलिस रिजर्व में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के बीच खिचड़ी व पानी की बोतलें वितरित की गईं। इसके अलावा फैंसी बाजार, धीरेनपाड़ा, उदालबाक्रा में भी लोगों के बीच खिचड़ी वितरित की गई। इसी कड़ी में खानापाड़ा से मालीगांव तक पूरे रास्ते में ड्यूटी पर तैनात असम पुलिस व सी.आर.पी.एफ के जवानों को पानी की बोतल दी गईं। इस कार्य में सम्मेलन कामरूप शाखा के सचिव दिनेश गुप्ता, दीपक जैन, संजय खेतान तथा अग्रवाल युवा परिषद के सचिव श्री आदर्श अग्रवाल, श्रीमती विनीता चौधरी, कोषाध्यक्ष श्री अमित अग्रवाल, श्री रवि सुरेखा, श्री मयंक बजाज ने अपना पूरा सहयोग दिया।

लॉकडाउन के दूसरे चरण में भी शाखा ने अयुप के साथ मानव सेवा का कार्य जारी रखा। 'सर्व फूड, फील गुड' परियोजना के अंतर्गत दोनों संगठनों ने 7 अप्रैल को बोंदा और गणेशपाड़ा में खाद्य सामग्री का वितरण किया। इस दिन बोंदा में शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया, सचिव श्री दिनेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्री दीपक जैन तथा अग्रवाल युवा परिषद के अध्यक्ष श्री रितेश अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष श्री अरुण चौधरी, कार्यक्रम संयोजक श्री अनुज चौधरी एवं संयुक्त कोषाध्यक्ष श्री अमित अग्रवाल ने खाद्य सामग्री के 300 पैकेट वितरित किए। वहीं गणेशपाड़ा में शाखा के अध्यक्ष श्री निरंजन सीकरिया और श्री जय प्रकाश शर्मा ने हेमप्रभा बेताला, संयोजक प्रतीक खेतान व अयुप के कोषाध्यक्ष विनिता चौधरी के सहयोग से खाद्य सामग्री के 50 पैकेट वितरित किए। इसी क्रम में 10 अप्रैल को दोनों संगठनों ने संयुक्त रूप से चार टीमें बनाकर जरूरतमंद

लोगों के बीच खाद्य सामग्री के पैकेट, जिसमें चावल, दाल, आलू, नमक, सरसों का तेल सहित पांच तरह के मसाले आदि शामिल थे, वितरित किए। प्रथम टीम में परियोजना के संयोजक श्री अनुज चौधरी, सह-संयोजक श्री प्रतीक खेतान, अयुप के कार्यकारिणी सदस्य श्री मयंक बजाज ने कामरूप जिले के उपायुक्त रातुल पाठक एवं उनके कार्यालय के 12 अन्य सहकर्मियों को साथ लेकर नूनमाटी हिल साइड में 200 पैकेट वितरित किए। दूसरी टीम में मारवाड़ी सम्मलेन, कामरूप शाखा के सचिव श्री दिनेश गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य श्री संजय खेतान एवं शाखा के सदस्य श्री पवन खाटूवाला ने भाजपा कार्यकर्ता जीतू दास के साथ मिलकर हेंगराबाड़ी (दिसपुर) में 150 पैकेट वितरित किए। इसके अलावा श्री दिनेश गुप्ता ने धीरेनपाड़ा में 50 पैकेट वितरित किए। तीसरी टीम में सम्मलेन, कामरूप शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष श्री पवन जाजोदिया, उपाध्यक्ष श्री बिजय भीमसरिया, श्री बीपल भीमसरिया तथा शाखा के सदस्य श्री प्रदीप जाजोदिया ने वर्षापाड़ा इलाके में 100 पैकेट वितरित किए। चौथी टीम में अग्रवाल युवा परिषद

के अध्यक्ष श्री रितेश अगरवाला, वरिष्ठ सदस्य श्री सुजीत बखरेड़िया तथा मारवाड़ी सम्मलेन के कार्यकारी अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया ने भाजपा कार्यकारिणी सदस्य श्री जयंत कुमार डेका के साथ मिलकर उदयाचल हिल एरिया तथा उज्ज्वल नगर (कहिलीपाड़ा) अंचल में चार विभिन्न स्थानों पर 150 पैकेट वितरित किए। इसके बाद इसी टीम ने दिनेश ओझा पथ स्थित कामाख्या नगर इलाके में 50 पैकेट वितरित किए।

इसी तरह 11 अप्रैल, शनिवार को गांधी बस्ती, उजान बजार, सोलापाड़ा में, 12 अप्रैल को पानीखेती, नूनमाटी के सेक्टर-1 में तथा 25 अप्रैल को फटाशील, धीरेनपाड़ा, मानपाड़ा, गणेशपाड़ा आदि इलाकों में भी लोगों के बीच खाद्य सामग्री वितरित किए गए। इसके अलावा शाखा के कुछ सदस्यों ने अपनी परिवार वालों के साथ विभिन्न इलाकों में तैनात पुलिसकर्मियों, सीआरपीएफ के जवानों व अन्य कोरोना वारियर्स के बीच चाय-बिस्कुट व पानी के बोतल वितरित किए गए।

खबरों में कामरूप शाखा...

मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा का होली मिलन समारोह संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा व अग्रवाल युवा परिषद : मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा और अग्रवाल युवा परिषद के संयुक्त तत्वाधान में लॉकडाउन के चलते खाद्य सामग्री संकट से जूझ रहे जरूरतमंद लोगों के बीच अपने पांचवें चरण के कार्य में बोंडा और गणेशपाड़ा में चावल, दाल, आलू, नमक, सरसों का तेल, मसाले आदि सामग्री के पैकेट वितरित किये। बोंडा में कामरूप शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद लोहिया, सचिव दिनेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष दीपक जैन तथा अग्रवाल युवा परिषद के अध्यक्ष रितेश अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष अरुण चौधरी, कार्यक्रम संयोजक अनुज चौधरी व संयुक्त कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने राशन सामग्री के 300 पैकेट वितरित किये। गणेशपाड़ा में कामरूप शाखा के अध्यक्ष निरंजन सिकरिया व जयप्रकाश शर्मा ने 50 पैकेट राशन सामग्री के पैकेट वितरित किये। बोंडा क्षेत्र में युवा अधिवक्ता हेमप्रभा बेताला ने वितरण कार्य में विशेष सहयोग किया। इसके अलावा कार्यक्रम संयोजक विनीता चौधरी...

प्रातःखबर 08.04.2020

लॉकडाउन जरूरतमंदों के बीच राशन वितरित

पूर्वोदय संवाददाता

गुवाहाटी, 7 अप्रैल। लॉकडाउन के चलते खाद्य सामग्री संकट से जूझ रहे जरूरतमंद लोगों के बीच मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा व अग्रवाल युवा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में अपने पांचवें चरण के कार्य में बोंडा और गणेशपाड़ा में चावल, दाल, आलू, नमक, सरसों का तेल, मसाले आदि के पैकेट वितरित किए। बोंडा में कामरूप शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद लोहिया, सचिव दिनेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष दीपक जैन तथा अग्रवाल युवा परिषद के अध्यक्ष रितेश अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष अरुण चौधरी, कार्यक्रम संयोजक अनुज चौधरी व संयुक्त कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने राशन सामग्री के 300 पैकेट वितरित किए। गणेशपाड़ा में कामरूप शाखा के अध्यक्ष निरंजन सीकरिया व जयप्रकाश शर्मा ने 50 पैकेट राशन सामग्री के पैकेट वितरित किए। बोंडा क्षेत्र में हेमप्रभा बेताला ने वितरण कार्य में विशेष सहयोग किया। इसके अलावा कार्यक्रम संयोजक प्रतीक खेतान अग्रवाल युवा परिषद के कोषाध्यक्ष विनीता चौधरी का भी सहयोग इस कार्य में मिला।

दैनिक पूर्वोदय 8.4.20

लॉकडाउनः भूखों को भोजन करा रहे सामाजिक संगठन

सम्मेलन की कामरूप शाखा व अग्रवाल युवा परिषद

गुवाहाटी, 29 मार्च (पू.सं.)। मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा व अग्रवाल युवा परिषद गुवाहाटी के संयुक्त तत्वावधान में...

सम्मेलन की कामरूप शाखा और अयुप ने संयुक्त रूप से किया राशन का वितरण

सम्मेलन की कामरूप शाखा और अग्रवाल युवा परिषद की जनसेवा चौथे दिन भी जारी

मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप व अग्रवाल युवा का खाद्य वितरण

उपलब्धि

महिलाओं को अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करने में जुटीं डॉ. प्रेरणा

असम के तिनसुकिया जिले की प्रतिष्ठित स्त्री एवं प्रसूती रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेरणा केशान महिलाओं को अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में जुटी हुई हैं। लगभग एक दशक से अधिक समय से वे अपने पेशे के साथ इस सामाजिक कार्य में अपना सराहनीय योगदान दे रही हैं। बड़हापजान गांव के निवासी श्री श्याम सुंदर केशान एवं श्रीमती सुलोचना देवी केशान की सुपुत्री तथा डॉ. प्रशांत कुमार अगरवाल की धर्मपत्नी डॉ. प्रेरणा असम के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के स्वस्थ्य के विषय में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने राज्य में मातृ मृत्यु दर को कम करने की मुहीम चला रही हैं, जो सराहनीय है। उनके स्वास्थ्य संबंधित इस नि:श्वार्थ सामाजिक कार्यों के लिए वर्ष 2019 में उन्हें 'इनक्रेडिबल इंडिया एवं व्यतिक्रम' ने 'नॉर्थ ईस्ट वुमन ऑफ द इयर इन हेल्थ' के खिताब से नवाजा। राष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने मुंबई, दिल्ली, लखनऊ, कोलकाता, चेन्नई, आगरा, कोच्ची, बेंगलुरु, हैदराबाद, शिलांग, इंफाल, गुवाहाटी, गंगटोक और देश के कई अन्य शहरों में राष्ट्रीय सम्मेलनों में विशेष वक्ता के रूप में भाग लिया। इन सम्मेलनों में उन्होंने स्त्री रोग और महिलाओं के स्वास्थ्य पर अपने वक्तव्य दिए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी डॉ. प्रेरणा ने चीन के शंघाई शहर में भारत के चुनिंदा चिकित्सकों में शामिल होकर इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ फर्टिलिटी सोसायटीज में देश का प्रतिनिधित्व किया है। उनके राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए कार्यों के लिए Federation of obstetric and gynecological society of India ने उन्हें वर्ष 2019 में 'वंडर फोग्सियन अवॉर्ड' से सम्मानित किया। यह अदभुत सम्मेलन मुंबई में आयोजित हुआ था, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद क्रिकेट जगत के 'भगवान' कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर, पूर्व मिस वर्ल्ड डायना हेडेन और बॉलीवुड के चमकते सितारों ने उन्हें इस सम्मान से नवाजा। उन्हें Indian College of obstetric and gynecological के फेलोशिप से भी नवाजा गया।

बचपन से ही हमेशा पढ़ाई में अव्वल आने के साथ डॉ. प्रेरणा ने हायर सेकेंडरी में कॉटन कॉलेज से पूरे असम में विज्ञान श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ तालिका में स्थान अर्जित किया। उन्होंने असम मेडिकल कॉलेज से अपनी एमबीबीएस और कोलकाता मेडिकल कॉलेज से स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। चिकित्सक बनने के बाद उन्होंने 2009 में कोलकाता के प्रतिष्ठित Peerless चिकित्सालय में काम किया। लेकिन वे अपने गृह राज्य असम के लोगों की सेवा करना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने Peerless चिकित्सालय से त्यागपत्र दे दिया और तिनसुकिया तथा पूर्वोत्तर के ग्रामीण इलाकों में लोगों की सेवा में जुट गईं।

डॉ. प्रेरणा की एक प्यारी बेटी है, जिसका नाम उन्नति अगरवाल है। वह पत्नी और बेटी के दायित्व को निभाने के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य सेवा में भी जुटी हुई हैं। डॉ. प्रेरणा बांझपन के शिकार दंपतियों का भी इलाज करती हैं। इस क्षेत्र में उन्होंने 'इंडियन सोसायटी ऑफ असिस्टेड रिप्रोडक्शन' के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय कार्य किए है। वह इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के 'मिशन पिंक हेल्थ' के अंतर्गत विद्यालयों एवं कालेजों में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का निरंतर आयोजन कर रही हैं। महिलाओं में होने वाले कर्कट रोग के लिए भी उन्होंने अनेक सराहनिय कार्य किए हैं, जिससे कि लोगों में जागरूकता बढ़े और उनका बचाव हो सके। इस वर्ष 2020 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर डॉ. प्रेरणा ने समाज के सभी वर्ग की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक स्वस्थ नारी ही एक स्वस्थ राष्ट्र की नींव होती है, इसलिए प्रत्येक नारी को अपने स्वास्थ्य का खास खयाल रखना चाहिए।

डॉ. प्रेरणा 'फोग्सी' के 'Young Talent Promotion Commitee' के पूर्वोत्तर की प्रमुख कार्यकर्ता हैं। इस कमेटी के तहत निरंतर स्वास्थ्य सबंधित न्यूज लेटर प्रकाशित करती हैं। डॉ. प्रेरणा फॉग्सी की Breast Committee के पूर्वोत्तर की भी कार्यकर्ता हैं और इसके तहत स्तन कैंसर के क्षेत्र में विश्लेषण का कार्य करती हैं। Public Awareness Committee से जुड़कर वे स्वास्थ्य संबंधित वाकाथन व जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं। इस वर्ष 2020 में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में एक वाकाथन का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों के डॉक्टरों ने Virtual Walk में भाग लिया। इस कार्यक्रम में डॉ. प्रेरणा असम का संचालिका के रूप में प्रतिनिधित्व किया। बता दें कि इस वाकाथन ने 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में अपना नाम दर्ज किया।

उल्लेखनिय है कि डॉ. प्रेरणा Indian Society of anaesthetic and Rejuvenating gynaecology की राष्ट्रीय संस्थापक सदस्या हैं। इसके अलावा डॉ. प्रेरणा National PCOS Society की संरक्षक सदस्या, Indian Menopose Society तथा Indian Soceity of Parentology और Reproductive Biology की भी आजीवन सदस्या हैं। समाज के विभिन्न संस्थाओं से जुड़कर वह निरंतर समाज कल्याण के कार्यों में अग्रसर रहती हैं। डॉ. प्रेरणा अपने प्रतिभाशाली वक्तव्य के लिए जानी जाती हैं। देश में नारी स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए उनकी प्रयत्नशील विचारधारा उल्लेखनीय है। चिकित्सा के क्षेत्र में जो नए मापदंड इन्होंने तय किए हैं, वे आनी वाली नस्लों के लिए एक प्रेरणा का श्रोत हैं।

Since 1976

INDIAN CANVAS INDUSTRIES

e-mail : indiancanvas@gmail.com

Manufacturer of all types of Tents, Canvas/HDPE Tarpaulins, Automobile Hoods, Canopies, Mosquito Net FR, Coat Combat, Kit Bag, Kit Box (Steel), Synthetic/Cotton Web Items, Uniform Items and allied Textile Products.

GMR

GMR INFRACON

e-mail : gmrinfracon@gmail.com

Manufacturer of Concrete Paver Blocks, Fly Ash Bricks
Designer Coloured Parking Tiles & Pavers.

With Best Compliments From

Mukesh Kr. Jindal

923, Fatasil Main Road
Near R.G. Barua College
Guwahati-781009 (Assam)

Ph. : 0361-2472921
91 94350 44872